सोमवार, 8 जून, 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08

मानव सुथार ने झटके 3 विकेट

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

महेश बाबू बनेंगे राम 'वाराणसी' को लेकर सामने आई बड़ी जानकारी

Page-05

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राम मंदिर चढ़ावे की करोड़ों रुपये की राशि गायब होने का आरोप लगाया। ट्रस्ट ने आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि नियमित ऑडिट जारी है और कोई अनियमितता नहीं मिली।

अखिलेश के आरोपों के बाद ट्रस्ट की सफाई

वित्तीय पारदर्शिता के साथ चल रहा है ऑडिट

अयोध्या स्थित राम मंदिर में चढ़ावे की करोड़ों रुपये की राशि गायब होने के समाजवादी पार्टी अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के आरोपों के बाद राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में हलचल तेज हो गई है। मामले को लेकर पुलिस और प्रशासन सतर्क हो गए हैं, जबकि श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने आरोपों को लेकर अपनी स्थिति स्पष्ट की है। अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट करते हुए दावा किया कि राम मंदिर के चढ़ावे की करोड़ों रुपये की रकम गायब होने की खबर अत्यंत गंभीर और संवेदनशील है। उन्होंने लिखा कि यह मामला केवल ट्रस्ट तक सीमित नहीं है, बल्कि दुनिया भर के करोड़ों राम भक्तों और सनातन धर्मावलंबियों की आस्था से जुड़ा हुआ है। उन्होंने इस प्रकरण में न्यायालय से स्वतः संज्ञान लेने की मांग करते हुए सरकार की चुप्पी पर भी सवाल उठाए।अखिलेश यादव ने अपने पोस्ट में कहा कि यदि चढ़ावे की राशि को लेकर कोई अनियमितता हुई है तो इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि इस मुद्दे पर कोई भी जिम्मेदार पक्ष खुलकर सामने नहीं आ रहा है, जिससे लोगों के मन में संदेह पैदा हो रहा है। दूसरी ओर, मामले को लेकर प्रशासनिक स्तर पर भी गतिविधियां तेज हो गई हैं। उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार स्थानीय पुलिस अधिकारियों ने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के प्रतिनिधियों से संपर्क किया है और स्थिति की वास्तविक जानकारी मांगी है। हालांकि अब तक ट्रस्ट की ओर से किसी प्रकार की औपचारिक शिकायत पुलिस को नहीं दी गई है। अधिकारियों का कहना है कि यदि ट्रस्ट की ओर से कोई शिकायत या अनियमितता की जानकारी दी जाती है तो उसके आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इधर, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने रविवार को जारी बयान में कहा कि ट्रस्ट के वित्तीय लेन-देन और चढ़ावे की राशि का नियमित रूप से आंतरिक ऑडिट कराया जाता है। उन्होंने बताया कि इस प्रक्रिया में ट्रस्ट के प्रतिनिधियों के साथ-साथ भारतीय स्टेट बैंक के अधिकारी भी शामिल रहते हैं।चंपत राय के अनुसार ऑडिट की प्रक्रिया कई दिनों तक चलती है और वर्तमान में भी यह कार्य जारी है। उन्होंने कहा कि अब तक ऑडिट के दौरान कोई ऐसी बात सामने नहीं आई है, जिससे किसी प्रकार की वित्तीय अनियमितता या राशि गायब होने की पुष्टि होती हो।फिलहाल इस मुद्दे पर राजनीतिक बयानबाजी तेज है, जबकि प्रशासन और ट्रस्ट दोनों की नजर ऑडिट प्रक्रिया और तथ्यों की जांच पर बनी हुई है। मामले की सच्चाई सामने आने तक इस विवाद पर चर्चाओं का दौर जारी रहने की संभावना है।

- चंपत राय ने कहा कि राम मंदिर ट्रस्ट का नियमित आंतरिक ऑडिट किया जाता है।
- ऑडिट में अब तक चढ़ावे की राशि में किसी अनियमितता की पुष्टि नहीं हुई है।

अमेरिका में हैदराबाद के युवक की गोली मारकर हत्या, परिवार ने जताई साजिश की आशंका

अमेरिका से एक दुखद खबर सामने आई है, जहां भारत के रहने वाले एक युवा की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। मृतक की पहचान 28 वर्षीय अंशुल कुंचा के रूप में हुई है, जो मूल रूप से हैदराबाद के रहने वाले थे। इस घटना के बाद परिवार में शोक का माहौल है और परिजन लगातार न्याय की मांग कर रहे हैं। मौजूद जानकारी के अनुसार अंशुल कुंचा अमेरिका के फिलाडेल्फिया शहर में कार्यरत थे। वह एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में नौकरी करते थे और सप्ताहांत में अतिरिक्त आय के लिए भोजन वितरण का कार्य भी करते थे। घटना के समय वह एक ऑर्डर पहुंचाने गए थे, जिसके बाद उन पर हमला कर दिया गया। परिवार का आरोप है कि अंशुल को जानबूझकर एक सुनसान स्थान पर बुलाया गया था। उनकी बहन तन्वी कुंचा ने दावा किया है कि यह कोई सामान्य अपराध नहीं बल्कि पहले से रची गई साजिश थी। उनके अनुसार अंशुल को एक ऐसे इलाके में भोजन पहुंचाने के लिए कहा गया, जहां कोई गतिविधि नहीं थी और बाद में उन पर गोलियां चला दी गईं। तन्वी ने कहा है कि परिवार को जानकारी मिली कि अंशुल के सिर में कई गोलियां मारी गई थीं और उन्हें सड़क पर छोड़ दिया गया था। उन्होंने यह भी कहा कि अंशुल के पास मौजूद कोई सामान नहीं छीना गया था। यही वजह है कि परिवार इस घटना को लूटपाट से जुड़ा मामला नहीं मान रहा है। गौरतलब है कि परिवार के अनुसार अंशुल ने हमले से कुछ समय पहले ही एक अन्य ऑर्डर सफलतापूर्वक पूरा किया था। इसके बाद वह अगले स्थान पर पहुंचे, जहां उन पर हमला हुआ है। हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि हमलावर कितने थे और उनका उद्देश्य क्या था।

ईरान परमाणु समझौते पर ट्रंप का सख्त रुख, सिर्फ हथियार रोकना पर्याप्त नहीं

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि उनका प्रशासन ईरान के साथ किसी समझौते पर पहुंचने से पहले उसकी जब्त हुई संपत्तियों को नहीं लौटाएंगे। एनबीसी न्यूज के 'मीट द प्रेस' को दिए एक साक्षात्कार में डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि प्रतिबंधों से किसी भी प्रकार की राहत केवल ईरान द्वारा भविष्य के समझौते के तहत अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के बाद ही दी जाएगी। डोनाल्ड ट्रंप ने इस बात पर जोर दिया कि प्रतिबंधों में ढील देने पर चर्चा शुरू होने से पहले तेहरान को अपनी नीयत और प्रतिबद्धता का सबूत देना होगा। उन्होंने कहा, "समझौते के बाद। हां। अगर वे ठीक व्यवहार करते हैं, अगर वे अच्छा काम करते हैं, तो हम बातचीत शुरू करेंगे। हां।" अमेरिकी राष्ट्रपति ने ने यह भी स्पष्ट किया कि वह लेबनान को तेहरान के साथ किसी अल्पकालिक समझौते में शामिल करने पर जोर नहीं दे रहे हैं। उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि वे ऐसा देखना चाहेंगे, लेकिन मैं इसकी मांग नहीं कर रहा हूं।" पश्चिम एशिया में कई महीनों से जारी संघर्ष और बढ़े तनाव के बाद स्थायी समाधान सुनिश्चित करने के लिए कूटनीतिक प्रयास जारी हैं। ट्रंप प्रशासन भी संभावित शांति समझौते के लिए कोशिश में जुटा हुआ है। ट्रंप ने मांग की कि भविष्य में होने वाले किसी भी समझौते में ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने से रोकने के अलावा और भी बहुत कुछ शामिल होना चाहिए। उन्होंने कहा कि वार्ताकार परमाणु हथियार विकास से संबंधित प्रतिबंधों पर काफी हद तक सहमत हो गए थे, लेकिन उन्होंने खास शब्दों के लिए जोर दिया। उन्होंने कहा कि अगर कोई समझौता हो जाता है तो वॉशिंगटन ईरान के साथ मिलकर संवर्धित यूरेनियम को हटाने और नष्ट करने का काम करेगा।

खिलाड़ियों के हितों के लिए राजनीति में आई हूं: विनेश फोगाट

पूर्व ओलंपियन और कांग्रेस विधायक विनेश फोगाट नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में 2026 एशियाई खेलों के लिए कुश्ती चयन ट्रायल में हिस्सा लेने के बाद सीधे जींद स्थित अपने जुलाना विधानसभा क्षेत्र पहुंचीं। वहां उन्होंने मीडिया से कई अहम मुद्दों पर बात की। हरियाणा में शुरू हो रहे एसआईआर के मुद्दे पर उन्होंने कहा, "हरियाणा में एसआईआर की शुरूआत हो रही है। इसमें इस बात का पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए कि किसी भी फर्जी वोटर का नाम लिस्ट में शामिल न हो और जो असली वोटर्स हैं, उन्हें सूची से बाहर न किया जाए।" अपने विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच नाराजगी और गुटबाजी की खबरों पर विनेश फोगाट ने स्थिति साफ की। उन्होंने कहा, "पार्टी के अंदर ऐसी कोई नाराजगी नहीं है। कांग्रेस एक परिवार की तरह है। अगर हमारे अपने परिवार में कोई छोटी-मोटी नाराजगी होती भी है, तो हम उसे आपस में बैठकर सुलझा लेंगे। मैं क्षेत्र में सभी को साथ लेकर चल रही हूँ और हर बात की जानकारी दे रही हूं।" उन्होंने आगे कहा, "इस समय कांग्रेस पार्टी का जोश बहुत हाई है। सभी कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ाया जा रहा है और पार्टी का रुख बिल्कुल साफ है कि हमें लोगों को पार्टी की विचारधारा से जोड़ना है, न कि किसी एक व्यक्ति से।" राजनीति और खेल के तालमेल पर बात करते हुए विनेश फोगाट ने एक बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा, "अगर राजनीति हमारे खेल को बर्बाद करने की कोशिश करेगी, तो हमें भी राजनीति के मैदान पर उतरकर ध्यान देना होगा। मैं इस क्षेत्र में इसीलिए आई हूं ताकि अपने स्तर पर देश के युवाओं और खिलाड़ियों के लिए कुछ अच्छा कर सकूं और उन्हें सही मंच दिला सकूं।"

INDIA गठबंधन की बैठक से पहले बढ़ी अंदरूनी खींचतान, सहयोगी दलों की नाराजगी खुलकर आई सामने

विपक्षी दलों के INDIA गठबंधन की 8 जून को होने वाली अहम बैठक से पहले गठबंधन के भीतर मतभेद खुलकर सामने आने लगे हैं। कांग्रेस के नेतृत्व और उसके राजनीतिक रवैये को लेकर कई सहयोगी दलों ने नाराजगी जताई है, जिससे विपक्षी एकता पर सवाल उठने लगे हैं।सबसे बड़ा विवाद कांग्रेस और सीपीआई(एम) के बीच देखने को मिला है। सीपीआई(एम) महासचिव एम. ए. बेबी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को पत्र लिखकर आरोप लगाया कि केरल विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस नेताओं ने पार्टी और भाजपा के बीच कथित गुप्त समझौते का झूठा प्रचार किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आरोपों से विपक्षी एकता को नुकसान पहुंचा है। हालांकि सीपीआई(एम) ने स्पष्ट किया है कि वह 8 जून की बैठक में शामिल होगी।वहीं तमिलनाडु की सत्तारूढ़ डीएमके ने बैठक से दूरी बनाने का फैसला किया है। पार्टी सूत्रों के अनुसार कांग्रेस के कुछ हालिया राजनीतिक कदमों, विशेषकर तमिलनाडु में टीवीके को समर्थन देने, से डीएमके असंतुष्ट है। आम आदमी पार्टी भी पिछले कुछ समय से गठबंधन की गतिविधियों से दूरी बनाए हुए दिखाई दे रही है।इन घटनाक्रमों पर भाजपा ने विपक्ष को घेरना शुरू कर दिया है। बिहार सरकार के मंत्री संतोष कुमार सुमन ने कहा कि INDIA गठबंधन वैचारिक नहीं बल्कि राजनीतिक स्वार्थों का गठबंधन था, इसलिए अब उसके भीतर मतभेद सामने आ रहे हैं। भाजपा नेताओं ने दावा किया कि सहयोगी दल कांग्रेस के व्यवहार से असंतुष्ट हैं और गठबंधन की एकजुटता कमजोर पड़ रही है।हालांकि कांग्रेस ने इन आरोपों को ज्यादा महत्व नहीं दिया है। कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि सहयोगी दलों के बीच संवाद जारी है और बैठक के बाद स्थिति स्पष्ट होगी।

छात्रों ने उजागर की कथित गड़बड़ियां, राहुल गांधी ने सराहा प्रयास

सीबीएसई की ऑनस्क्रीन मार्किंग सिस्टम प्रणाली को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। पिछले दिनों झारखंड के रांची के रहने वाले एक छात्र सार्थक सिद्धांत ने अपने ब्लॉग के जरिए इस सिस्टम को लेकर एक बड़ी पड़ताल सामने रखी थी, जिसने शिक्षा विभाग की नींव हिलाकर रख दी है। अब इस पूरे मामले में कांग्रेस के दिग्गज नेता राहुल गांधी की एंट्री हुई है और उन्होंने सार्थक सिद्धांत व उनके दोस्त निसर्ग अधिकारी की जमकर तारीफ की है। राहुल गांधी ने कहा कि सीबीएसई और कोएम्प्ट के बीच चल रही मिलीभगत का पर्दाफाश करके इन युवाओं ने कमाल कर दिया है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चाहते हैं कि देश के युवा सिर्फ रील बनाते रहें और पकौड़े तलते रहें, लेकिन इन दोनों युवाओं ने सरकार से जरूरी सवाल भी उठाए और खुद उनके जवाब भी ढूंढ़ निकाले। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पिछले हफ्ते सार्थक सिद्धांत के साथ हुई अपनी मुलाकात का एक वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर शेयर किया है। सार्थक, सीबीएसई की ओएसएम प्रक्रिया से प्रभावित छात्र हैं, जिन्होंने कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं के लिए ओएसएम प्रक्रिया का टेंडर देने वाली वेंडर कंपनी के चयन में कथित अनियमितताओं और गड़बड़ी की तरफ इशारा किया है।

रसोई गैस पर महंगाई की मार,

केंद्र ने अंतरराष्ट्रीय कीमतों का दिया हवाला

केंद्र सरकार ने घरेलू एलपीजी सिलेंडर 29 रुपये महंगा कर दिया है। सरकार ने अंतरराष्ट्रीय कीमतों में वृद्धि और कंपनियों के नुकसान को वजह बताया, जबकि उज्ज्वला लाभार्थियों को सब्सिडी जारी रहेगी।

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

देश की अर्थव्यवस्था विकास की नई ऊंचाइयों को छू रही है। आधारभूत ढांचे का विस्तार हो रहा है, निवेश बढ़ रहा है और भारत विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। इसके बावजूद आम नागरिक के सामने सबसे बड़ी चिंता महंगाई बनी हुई है। खाद्य पदार्थों से लेकर रसोई गैस, शिक्षा, स्वास्थ्य और परिवहन तक, जीवन की लगभग हर आवश्यक वस्तु की कीमत में वृद्धि ने मध्यम वर्ग और गरीब परिवारों के बजट पर दबाव बढ़ा दिया है। हाल ही में घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में हुई बढ़ोतरी ने एक बार फिर महंगाई के मुद्दे को चर्चा के केंद्र में ला दिया है। रसोई गैस केवल एक ईंधन नहीं, बल्कि हर परिवार की दैनिक जरूरत है। इसकी कीमत बढ़ने का सीधा असर घरेलू बजट पर पड़ता है। विशेष रूप से निम्न आय वर्ग और सीमित आय वाले परिवारों के लिए ऐसी बढ़ोतरी अतिरिक्त बोझ बन जाती है। महंगाई का सबसे अधिक प्रभाव उन लोगों पर पड़ता है जिनकी आय स्थिर रहती है। सरकारी कर्मचारी, पेंशनभोगी, छोटे व्यापारी और असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिक अक्सर बढ़ती कीमतों के अनुपात में अपनी आय नहीं बढ़ा पाते। परिणामस्वरूप उनकी बचत घटती है और जीवन स्तर प्रभावित होता है। कई परिवारों को अपनी आवश्यकताओं में कटौती करनी पड़ती है। वैश्विक परिस्थितियां भी महंगाई को प्रभावित करती हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, भू-राजनीतिक संघर्ष, आपूर्ति श्रृंखला में बाधाएं और प्राकृतिक आपदाएं कीमतों को बढ़ाने में भूमिका निभाती हैं। भारत जैसी बड़ी अर्थव्यवस्था इन वैश्विक प्रभावों से पूरी तरह अछूती नहीं रह सकती। फिर भी सरकार और नीति-निर्माताओं की जिम्मेदारी है कि वे आम जनता पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करने के लिए प्रभावी कदम उठाएं। महंगाई पर नियंत्रण केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं है। उत्पादन बढ़ाने, आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत करने, जमाखोरी पर रोक लगाने और कृषि क्षेत्र को अधिक सक्षम बनाने की भी आवश्यकता है। साथ ही, वित्तीय अनुशासन और संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग को बढ़ावा देना होगा। महंगाई किसी भी अर्थव्यवस्था का स्वाभाविक हिस्सा हो सकती है, लेकिन जब यह आम नागरिक की बुनियादी जरूरतों को प्रभावित करने लगे, तब चिंता स्वाभाविक है। विकास का वास्तविक अर्थ तभी है जब उसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और नागरिकों को सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर मिले। इसलिए आर्थिक विकास और मूल्य स्थिरता के बीच संतुलन बनाए रखना आज की सबसे बड़ी नीति चुनौती है।एक मजबूत अर्थव्यवस्था का लक्ष्य केवल आंकड़ों में वृद्धि नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाना होना चाहिए। महंगाई पर प्रभावी नियंत्रण इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

661 करोड़ के सरकारी फंड घोटाले में CBI की बड़ी कार्रवाई, 6 ठिकानों पर छापेमारी

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

हरियाणा और चंडीगढ़ में 661 करोड़ रुपये के सरकारी फंड घोटाले में सीबीआई ने 6 ठिकानों पर छापेमारी की है। छापे चंडीगढ़, पंचकूला और दिल्ली-एनसीआर में 6 परिसरों पर 6 जून को मारे गए। ये छापेमारी IDFC First Bank और AU Finance Bank के जरिए सरकारी पैसों की कथित हेराफेरी से जुड़ी है। जांच में हरियाणा सरकार के 8 विभागों और चंडीगढ़ प्रशासन के 2 विभागों के फंड में गड़बड़ी सामने आई है। चंडीगढ़ नगर निगम चंडीगढ़ और क्रेस्ट चंडीगढ़ के खातों में गड़बड़ी पाई गई है। सीबीआई ने हरियाणा कैडर के वरिष्ठ लोक सेवकों के आवासों पर भी तलाशी ली। इस दौरान वरिष्ठ अधिकारियों और कंपनी के ठिकानों पर रेड की गई। Vipam Consultancy Pvt. Ltd. और उसके निदेशक के परिसरों की भी जांच की गई। सीबीआई ने वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। सीबीआई ने 3 आईएएस और 1 आईएफएस अधिकारी समेत कई सरकारी अधिकारियों के ठिकानों पर छापेमारी की। ये कार्रवाई उस समय हुई है, जब हाल ही में हरियाणा सरकार ने राज्य के वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों के खिलाफ जांच के लिए सीबीआई को अभियोजन स्वीकृति प्रदान की थी। इसके बाद सीबीआई की टीम आईएएस अधिकारियों मोहम्मद शायिन, पंकज अग्रवाल, प्रदीप कुमार और आईएफएस अधिकारी नवनीत कुमार के ठिकानों तक पहुंची। इन अधिकारियों पर आरोप है कि उन्होंने बैंक अधिकारियों के साथ कथित मिलीभगत कर सरकारी धन के अवैध डायवर्जन और गबन में भूमिका निभाई। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि सरकारी विभागों के फंड को किस तरह कथित रूप से अन्य खातों में ट्रांसफर किया गया। सूत्रों के मुताबिक, हरियाणा सरकार ने पांच अन्य आईएएस अधिकारियों के खिलाफ भी अभियोजन स्वीकृति दे दी है।

दिल्ली-एनसीआर में 25 से 30 जून के बीच पहुंचेगा मानसून, IMD का अनुमान

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

उत्तर भारत समेत देश के कई हिस्सों में भीषण गर्मी पड़ रही है। गर्मी का पारा 45 डिग्री तक पहुंच रहा है। अब सभी को मानसून का बेसब्री से इंतजार है। केरल में मानसून ने दस्तक दे दी है। अब ये मानसून आगे के राज्यों की ओर बढ़ रहा है। ऐसे में भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने मानसून को लेकर ताजा अपडेट दिया है। आईएमडी के मुताबिक, दिल्ली-एनसीआर में 25 से 30 जून के मानसून के आने की संभावना है। उत्तर प्रदेश में ये मानसून 20 से 25 जून के बीच आ सकता है। मानसून के आने के बाद ही दिल्ली-एनसीआर और उत्तर प्रदेश के लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिल सकती है। आईएमडी ने कहा कि दक्षिण-पश्चिम मानसून के चलते नोएडा, गुरुग्राम और गाजियाबाद सहित पड़ोसी एनसीआर शहरों में 25 से 30 जून के बीच ही बारिश का अनुमान जताया गया है। मानसून के पूर्वानुमान के अनुसार, यह उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ते हुए हरियाणा, पंजाब और चंडीगढ़ के कुछ हिस्सों में पहुंचेगा, जबकि हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर और लद्दाख में भी दिल्ली-एनसीआर के साथ ही आंशिक रूप से बारिश हो सकती है। पिछले साल, दक्षिण-पश्चिम मानसून 29 जून को दिल्ली में पहुंचा था, जो 1961-2019 के औसत के आधार पर इसकी सामान्य शुरुआत की तारीख 27 जून से दो दिन बाद था। इस बार दिल्ली-एनसीआर में ये मानसून समय से ही आने की संभावना जताई जा रही है।

भारत-ब्रिटेन के बीच क्रिटिकल मिनरल्स पर बड़ा समझौता

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

भारत और ब्रिटेन ने रणनीतिक सहयोग को नई ऊंचाई देते हुए क्रिटिकल मिनरल्स (महत्वपूर्ण खनिजों) की सुरक्षित और भरोसेमंद आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की है। दोनों देशों ने नई दिल्ली में "इंडिया-यूके क्रिटिकल मिनरल्स ग्लोबल सप्लाई चेन ऑब्जरवेटरी" (GSCO) का औपचारिक शुभारंभ किया। इस पहल को भविष्य की तकनीकों, स्वच्छ ऊर्जा और रक्षा क्षेत्र की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।इस अवसर पर केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी और ब्रिटेन की विदेश मंत्री यवेट कूपर उपस्थित रहीं। कूपर का यह भारत दौरा दोनों देशों के बीच बढ़ते रणनीतिक संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।ब्रिटेन की विदेश मंत्री का यह आधिकारिक दौरा मुख्य रूप से "इंडिया-यूके विजन 2035" की पहली वार्षिक समीक्षा के लिए था। यह व्यापक रोडमैप जुलाई 2025 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लंदन यात्रा के दौरान तैयार किया गया था। इसके तहत दोनों देशों ने आर्थिक विकास, तकनीक, नवाचार, रक्षा एवं सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन, स्वच्छ ऊर्जा और शिक्षा जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने का लक्ष्य तय किया था। दौरे के दौरान यवेट कूपर ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ विस्तृत वार्ता की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात की। दोनों पक्षों ने रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने तथा वैश्विक चुनौतियों से मिलकर निपटने पर सहमति व्यक्त की।

हमले के दौरान खामनेई के दफ्तर में मौजूद थे ईरानी विदेश मंत्री, सुनाया खौफनाक मंजर

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने हाल ही में एक टेलीविजन साक्षात्कार में उस हमले का विवरण साझा किया है, जिसमें कथित रूप से ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामनेई के कार्यालय को निशाना बनाया गया था। उन्होंने बताया कि हमले के समय वह स्वयं उसी इमारत में मौजूद थे और मलबे के बीच से सुरक्षित बाहर निकले। लेबनान के एक टीवी चैनल को दिए साक्षात्कार में अराघची ने कहा कि संघर्ष के शुरुआती चरण में हुए हमले के दौरान उनकी सबसे बड़ी चिंता सर्वोच्च नेता की सुरक्षा को लेकर थी। उनके अनुसार, हमले के बाद लगभग 48 घंटों तक खामनेई की स्थिति को लेकर अनिश्चितता बनी रही, जिससे शीर्ष नेतृत्व और सुरक्षा एजेंसियों में चिंता का माहौल था।अराघची ने बताया कि हमले के बाद सुरक्षा अधिकारियों और सैन्य कमांडरों ने खामनेई से कई बार सुरक्षित बंकर या शेल्टर में जाने का आग्रह किया। हालांकि, उन्होंने ऐसा करने से इनकार कर दिया। विदेश मंत्री के अनुसार, खामनेई का मानना था कि जब तक आम नागरिकों के लिए पर्याप्त सुरक्षा उपलब्ध नहीं है, तब तक वे स्वयं विशेष सुरक्षा का लाभ नहीं लेंगे। बताया जाता है कि उन्होंने संकट की घड़ी में भी अपने दायित्वों का निर्वहन जारी रखा और स्थिति पर नजर बनाए रखी। साक्षात्कार में अराघची ने क्षेत्रीय सुरक्षा से जुड़ा एक महत्वपूर्ण दावा भी किया। उन्होंने कहा कि संघर्ष शुरू होने से पहले ईरान ने फारस की खाड़ी क्षेत्र के पड़ोसी देशों को स्पष्ट संदेश दिया था कि यदि ईरान पर किसी भी हमले के लिए उनके यहां स्थित विदेशी सैन्य ठिकानों का उपयोग किया गया, तो उसका जवाब दिया जाएगा। उनके अनुसार, कई क्षेत्रीय देशों ने अपनी भूमि के सैन्य उपयोग का विरोध किया था, लेकिन इसके बावजूद तनाव बढ़ता गया।विदेश मंत्री के इन बयानों ने एक बार फिर पश्चिम एशिया में सुरक्षा स्थिति और क्षेत्रीय तनावों को लेकर नई चर्चा छेड़ दी है। ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच बढ़ता अविश्वास पूरे क्षेत्र की स्थिरता के लिए चुनौती बन सकता है। वहीं, खाड़ी क्षेत्र में मौजूद विदेशी सैन्य ठिकानों को लेकर ईरान की चेतावनी ने भविष्य में संभावित भू-राजनीतिक तनावों को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं।

संपादक की कलम से

देश की अर्थव्यवस्था विकास की नई ऊंचाइयों को छू रही है। आधारभूत ढांचे का विस्तार हो रहा है, निवेश बढ़ रहा है और भारत विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। इसके बावजूद आम नागरिक के सामने सबसे बड़ी चिंता महंगाई बनी हुई है। खाद्य पदार्थों से लेकर रसोई गैस, शिक्षा, स्वास्थ्य और परिवहन तक, जीवन की लगभग हर आवश्यक वस्तु की कीमत में वृद्धि ने मध्यम वर्ग और गरीब परिवारों के बजट पर दबाव बढ़ा दिया है। हाल ही में घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में हुई बढ़ोतरी ने एक बार फिर महंगाई के मुद्दे को चर्चा के केंद्र में ला दिया है। रसोई गैस केवल एक ईंधन नहीं, बल्कि हर परिवार की दैनिक जरूरत है। इसकी कीमत बढ़ने का सीधा असर घरेलू बजट पर पड़ता है। विशेष रूप से निम्न आय वर्ग और सीमित आय वाले परिवारों के लिए ऐसी बढ़ोतरी अतिरिक्त बोझ बन जाती है।महंगाई का सबसे अधिक प्रभाव उन लोगों पर पड़ता है जिनकी आय स्थिर रहती है। सरकारी कर्मचारी, पेंशनभोगी, छोटे व्यापारी और असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिक अक्सर बढ़ती कीमतों के अनुपात में अपनी आय नहीं बढ़ा पाते। परिणामस्वरूप उनकी बचत घटती है और जीवन स्तर प्रभावित होता है। कई परिवारों को अपनी आवश्यकताओं में कटौती करनी पड़ती है।वैश्विक परिस्थितियां भी महंगाई को प्रभावित करती हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, भू-राजनीतिक संघर्ष, आपूर्ति श्रृंखला में बाधाएं और प्राकृतिक आपदाएं कीमतों को बढ़ाने में भूमिका निभाती हैं। भारत जैसी बड़ी अर्थव्यवस्था इन वैश्विक प्रभावों से पूरी तरह अछूती नहीं रह सकती। फिर भी सरकार और नीति-निर्माताओं की जिम्मेदारी है कि वे आम जनता पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करने के लिए प्रभावी कदम उठाएं।महंगाई पर नियंत्रण केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं है। उत्पादन बढ़ाने, आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत करने, जमाखोरी पर रोक लगाने और कृषि क्षेत्र को अधिक सक्षम बनाने की भी आवश्यकता है। साथ ही, वित्तीय अनुशासन और संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग को बढ़ावा देना होगा। महंगाई किसी भी अर्थव्यवस्था का स्वाभाविक हिस्सा हो सकती है, लेकिन जब यह आम नागरिक की बुनियादी जरूरतों को प्रभावित करने लगे, तब चिंता स्वाभाविक है। विकास का वास्तविक अर्थ तभी है जब उसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और नागरिकों को सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर मिले। इसलिए आर्थिक विकास और मूल्य स्थिरता के बीच संतुलन बनाए रखना आज की सबसे बड़ी नीति चुनौती है। एक मजबूत अर्थव्यवस्था का लक्ष्य केवल आंकड़ों में वृद्धि नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाना होना चाहिए। महंगाई पर प्रभावी नियंत्रण इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

अमित शाह और नड्डा से मिले कैप्टन अमरिंदर, पंजाब की राजनीति पर हुई अहम चर्चा

पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने नई दिल्ली में अमित शाह और जेपी नड्डा से मुलाकात कर राज्य की राजनीतिक स्थिति और भाजपा के विस्तार पर चर्चा की। उन्होंने कांग्रेस में वापसी की अटकलों को खारिज करते हुए किसी संभावित गठबंधन पर चर्चा से इनकार किया।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री एवं पूर्व भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से नई दिल्ली में मुलाकात की। यह बैठक ऐसे समय हुई है जब पंजाब भाजपा में संगठनात्मक बदलावों और राज्य की भविष्य की राजनीतिक रणनीति को लेकर चर्चाएं तेज हैं। हाल ही में भाजपा नेतृत्व द्वारा केवर सिंह ढिल्लों को पंजाब भाजपा का नया अध्यक्ष नियुक्त किए जाने के बाद कैप्टन अमरिंदर सिंह ने सार्वजनिक रूप से नाराजगी जताई थी और कहा था कि इस महत्वपूर्ण फैसले से पहले उनसे कोई सलाह-मशविरा नहीं किया गया। राजनीतिक गलियारों में इस मुलाकात को इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि पिछले कुछ दिनों से ऐसी अटकलें लगाई जा रही थीं कि कैप्टन अमरिंदर अपनी पुरानी पार्टी कांग्रेस के संपर्क में हैं। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपिंदर सिंह हुड्डा ने भी संकेत दिए थे कि अमरिंदर सिंह की कांग्रेस में वापसी की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। हालांकि, कैप्टन अमरिंदर ने इन अटकलों को पूरी तरह खारिज करते हुए कहा कि उनका कांग्रेस में लौटने का कोई इरादा नहीं है और दिल्ली में हुई बैठक का उद्देश्य केवल पंजाब से जुड़े मुद्दों और भाजपा की रणनीति पर चर्चा करना था।बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में अमरिंदर सिंह ने कहा कि यह मुलाकात काफी समय से लंबित थी। उन्होंने बताया कि उन्होंने स्वयं अमित शाह से मिलने का अनुरोध किया था और उन्हें तुरंत समय दे दिया गया। उन्होंने कहा कि बैठक के दौरान पंजाब की वर्तमान राजनीतिक स्थिति, राज्य के विकास से जुड़े विषयों और भाजपा के संगठनात्मक विस्तार पर विस्तृत चर्चा हुई।जब उनसे पूछा गया कि क्या 2027 के पंजाब विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए किसी संभावित गठबंधन या चुनावी रणनीति पर चर्चा हुई है, तो उन्होंने कहा कि अभी इस विषय पर बात करना जल्दबाजी होगी। उनके अनुसार चुनाव में अभी काफी समय बाकी है और फिलहाल भाजपा के संगठन को मजबूत करने तथा राज्य में पार्टी का जनाधार बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कहा कि उन्होंने केंद्रीय नेतृत्व के साथ अपने लंबे राजनीतिक अनुभव साझा किए और पंजाब की जमीनी हकीकत से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि भाजपा को राज्य में अपनी स्वीकार्यता बढ़ाने और नए सामाजिक वर्गों तक पहुंच बनाने के लिए व्यापक रणनीति अपनाने की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी कहा कि अमित शाह और जेपी नड्डा के साथ उनकी चर्चा सकारात्मक और रचनात्मक रही।

बंगाल में टीएमसी संकट गहराया, गांगुली ने अफवाहों को बताया निराधार

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

हाल ही में बंगाल में हुए चुनावों में करारी हार के बाद, जहां ममता बनर्जी ने भाबानीपुर सीट मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी से हार गईं, ऐसी खबरें सामने आईं कि ममता बनर्जी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद यूसुफ पठान से बहरामपुर सीट खाली करने को कहकर संसद में प्रवेश पाने की कोशिश कर रही हैं। आनंदबाजार पत्रिका की एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि पूर्व क्रिकेटर सौरव गांगुली ने ममता बनर्जी की ओर से यूसुफ पठान से संपर्क किया था ताकि वे उन्हें बहरामपुर सांसद पद से इस्तीफा देने के लिए कहें और पूर्व मुख्यमंत्री को उस सीट से उपचुनाव लड़ने का मौका दें। पूर्व क्रिकेटर यूसुफ पठान ने 2024 के लोकसभा चुनावों में अपने राजनीतिक पदार्पण पर बहरामपुर में दिग्गज कांग्रेसी नेता अधीर रंजन चौधरी को हराकर एक बड़ा उलटफेर किया। बहरामपुर को टीएमसी के लिए सुरक्षित सीट माना जाता है, जहां 50-52% मुस्लिम आबादी है। हालांकि, गांगुली ने बाद में पठान से अपनी सीट खाली करने के लिए संपर्क करने से इनकार किया और इसे सत्य की घोर अवहेलना बताया। उन्होंने कहा कि उपरोक्त आरोप असत्य हैं। मैं मीडिया से अनुरोध करता हूं कि छपी और प्रकाशित खबरों की सत्यता की पुष्टि किए बिना अफवाहों और अटकलों पर विश्वास न करें। यह बेहद दुर्भाग्यिपूर्ण है कि लेख में उल्लिखित आरोपों की सत्यता की जांच और पुष्टि करना आवश्यक नहीं समझा गया। उन्होंने कहा कि इसलिए यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि ममता बनर्जी ने मुझसे कभी भी यूसुफ पठान को उनकी ओर से कोई संदेश देने का अनुरोध नहीं किया, चाहे वह आरोप के अनुसार अपने संसदीय पद से इस्तीफा देने से संबंधित हो या किसी भी तरह से। उन्होंने आगे कहा कि वे किसी भी स्तर पर राजनीतिक मामलों में शामिल नहीं रहे हैं। यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब टीएमसी, जिसने 2026 के विधानसभा चुनावों में केवल 80 सीटें जीती थीं, अपने अस्तित्व के सबसे गंभीर संकट का सामना कर रही है, क्योंकि 60 से अधिक विधायकों ने पार्टी से अलग होकर निष्कासित नेता ऋतब्रता बनर्जी को राज्य विधानसभा में विपक्ष का नेता चुना है। कई पार्टी नेताओं ने पार्टी नेतृत्व के प्रति खुले तौर पर असंतोष व्यक्त किया है और पार्टी छोड़ने की योजना बना रहे हैं।

जंतर-मंतर आंदोलन के समर्थन में उतरे संजय राउत, बोले- युवाओं की आवाज दबाना लोकतंत्र के खिलाफ

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने शनिवार को जंतर-मंतर पर चल रहे विरोध प्रदर्शन का समर्थन किया, जिसका नेतृत्व सोशल मीडिया कार्यकर्ता अभिजीत दिपके और कॉकरोच जनता पार्टी के सदस्य कर रहे हैं। राउत ने जोर देकर कहा कि युवाओं द्वारा चलाए जा रहे शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक आंदोलनों का स्वागत किया जाना चाहिए, न कि उन्हें दबाया जाना चाहिए। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए राउत ने कहा कि अगर युवा शांतिपूर्ण माध्यम से सरकार के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर कर रहे हैं, तो यह लोकतंत्र की भावना को दर्शाता है और सम्मान के योग्य है। राउत ने कहा कि अगर जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन हो रहा है, खासकर जिसमें युवा शामिल हैं और जिसका नेतृत्व एक युवा व्यक्ति कर रहा है, तो इसका स्वागत किया जाना चाहिए। यह लोकतंत्र है और हर किसी को अपने विचार व्यक्त करने की स्वतंत्रता है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार भारी पुलिस बल तैनात करके और प्रदर्शन में शामिल होने वाले लोगों की आवाजाही पर रोक लगाकर आंदोलन को दबाने की कोशिश कर रही है। सरकार इस आंदोलन को दबाने की कोशिश कर रही है। भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किए गए हैं और देश के विभिन्न हिस्सों से आ रहे युवाओं को रेलवे स्टेशनों और हवाई अड्डों पर कथित तौर पर रोका जा रहा है। उन्होंने दावा किया, "मैं सुबह से ही इन घटनाक्रमों की जानकारी जुटा रहा हूं। आंदोलन को लेकर सरकार की आशंका पर सवाल उठाते हुए राउत ने कहा कि सरकार तिलचट्टे से क्यों डर रही है? अगर आज के युवाओं में जागृति आई है और उन्होंने आवाज उठाने का साहस दिखाया है, तो इसका श्रेय उन्हें प्रेरित करने वालों को जाता है। राउत ने कथित परीक्षा प्रश्नपत्र लीक विवाद के संबंध में जवाबदेही की मांग दोहराते हुए कहा, "यदि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संबंधित मंत्री का इस्तीफा नहीं मांगते हैं, तो सरकार को स्वच्छ शासन या भ्रष्टाचार के प्रति शून्य सहिष्णुता की बात करने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि इस मामले में जवाबदेही की स्पष्ट आवश्यकता है। हम अपना आंदोलन शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीकों से चला रहे हैं। यह केवल शिक्षा विभाग या प्रश्नपत्र लीक का मामला नहीं है; यह कानून-व्यवस्था का भी एक गंभीर मुद्दा है।

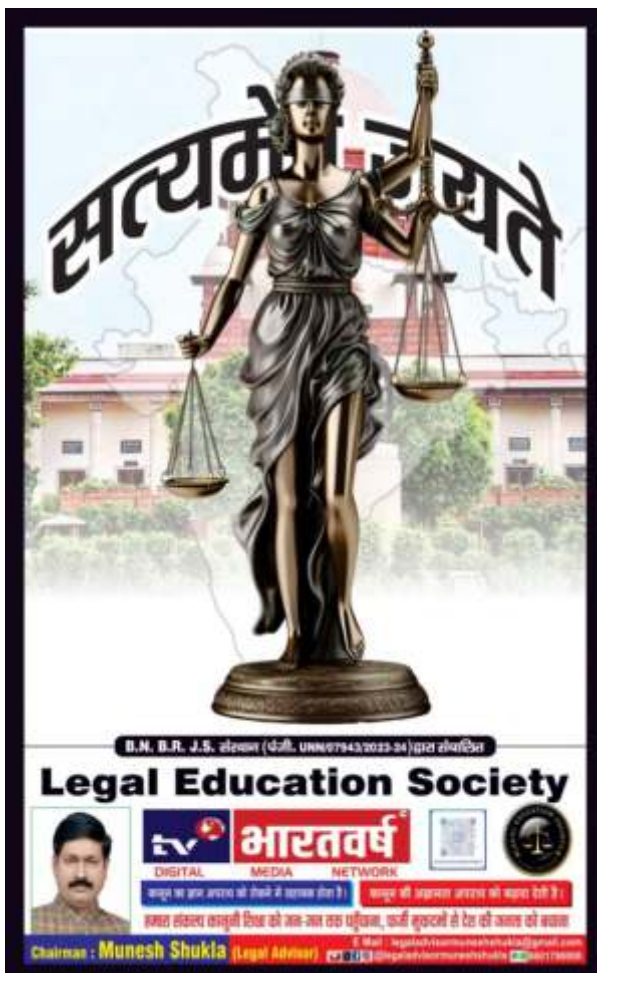

स्वास्थ्य क्षेत्र पर फोकस करेगा मेटा का नया AI, अलेक्जेंडर वांग ने किया बड़ा खुलासा

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की दौड़ अब केवल चैटबॉट्स और स्मार्ट असिस्टेंट तक ही सीमित नहीं रह गई है। दुनिया की बड़ी-बड़ी टेक कंपनियां भी ऐसे एआई मॉडल विकसित करने में जुटी हैं जो रोजमर्रा की जिंदगी में ज्यादा उपयोगी साबित हों। इसी दिशा में मेटा ने भी एक नया संकेत दे दिया है। कंपनी के एआई प्रमुख अलेक्जेंडर वांग का कहना है कि मेटा के आने वाले एआई मॉडल स्वास्थ्य संबंधी क्षमताओं पर खास फोकस करेंगे, जो उन्हें प्रतिस्पर्धियों से अलग पहचान दिला सकते हैं। एआई इंडस्ट्री के बड़े नामों में अलेक्जेंडर वांग का नाम भी शामिल है। ये 2025 में Meta से जुड़े थे, जब कंपनी ने Scale AI में 14 अरब डॉलर का निवेश किया था। वर्तमान में से मेटा सुपरइंटेलिजेंस लैब्स (MSL) का नेतृत्व कर रहे हैं और कंपनी के अगली पीढ़ी के A I प्रोजेक्ट्स की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। हाल ही में सैन फ्रांसिस्को में आयोजित ब्लूमबर्ग टेक सम्मेलन में मेटा सुपरइंटेलिजेंस लैब्स (MSL) के प्रमुख अलेक्जेंडर वांग ने कंपनी की एआई रणनीति पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य ऐसा क्षेत्र है, जिसे मेटा बेहद जरूरी मानता है। खासकर तब, जब कंपनी अपने अरबों यूजर्स तक एआई मॉडल्स को पहुंचाने की तैयारी में हो। वांग के अनुसार एआई का इस्तेमाल केवल सवालों के जवाब देने तक सीमित नहीं रहने वाले। यह अब लोगों की स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को भी समझेगा और सहायता देगा। हालांकि इसके पहले भी कई रिपाेर्ट्स में एआई की स्वास्थ्य संबंधी क्षेत्रों में मदद देखी गई है। मेटा ने अप्रैल में अपना नया एआई मॉडल म्यूज स्पार्क पेश किया था। वांग के अनुसार, इस मॉडल की सबसे मजबूत क्षमताओं में हेल्थ से जुड़ी समझ और उपयोगिता शामिल है। यही वजह है कि अब कंपनी एआई के विकास को प्राथमिकता देने का प्रयास कर रही है।

उन्होंने बताया कि म्यूज स्पार्क ने आंतरिक परीक्षणों में उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया है। हालांकि उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि फिलहाल यह मॉडल ChatGPT या Claude जैसे एआई मॉडल्स तक नहीं पहुंच पाया है, लेकिन इस रेस में जरूर है। एआई इंडस्ट्री में इस समय ओपनएआई, गूगल और एंथ्रोपिक जैसी कंपनियों को नाम सबसे ज्यादा सुनाई देता है, इनके बीच प्रतिस्पर्धा भी तेज है। ऐसे में मेटा स्वास्थ्य-केंद्रित क्षमताओं को अपनी अलग पहचान बनाने की कोशिश कर रहा है।

कंपनी का लक्ष्य ऐसे एआई टूल्स को तैयार करना है, जिन्हें भविष्य में फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप जैसे प्लेटफॉर्म्स से भी जोड़ा जा सके। इससे एआई फीचर्स सीधे कराेड़ों यूजर्स तक पहुंच सकेंगे, क्योंकि इन प्लेटफॉर्म्स पर लोगों की संख्या बेइंतहा है। हालांकि अलेक्जेंडर ने खुलकर बात की और कई अंदर की बातों का खुलासा भी किया। उन्होंने कहा कि म्यूज स्पार्क के विकास के दौरान कुछ बायोलॉजिकल जोखिम भी सामने आए थे, लेकिन वो क्या थे। यह अभी भी उन्होंने राज ही रखा।

मेटा का कहना है कि मॉडल का सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराने से पहले इन संभावित जोखिमों को संबोधित किया गया। यही वजह है कि कंपनी ने म्यूज स्पार्क ओपन-सोर्स फॉर्मेट में रिलीज नहीं किया, जिससे इसकी मूल तकनीक सभी डेवलपर्स के लिए खुली न हो सके।

रिटायरमेंट के बाद विदेशी लीग खेलने वालों पर BCCI सख्त, नई नीति की तैयारी

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) बहुत जल्द अपनी रिटायरमेंट पॉलिसी में बड़ा बदलाव कर सकती है. बीसीसीआई उन खिलाड़ियों पर लगाम कसने की तैयारी में है, जो संन्यास के तुरंत बाद विदेशी लीगों में खेलने लगते हैं. मौजूदा नियमों के मुताबिक किसी भी एक्टिव भारतीय क्रिकेटर को विदेशी लीगों में खेलने की अनुमति नहीं है, लेकिन रिटायर होने के बाद वह खेल सकता है. B C C I उन खिलाड़ियों की वजह से इस पॉलिसी को लाने पर विचार कर रही है, जो रिटायरमेंट इसलिए ले रहे हैं जिससे विदेशी लीगों में खेल पाएं. खासतौर पर विजय शंकर की वजह से इस मामले ने ज्यादा तूल पकड़ा है. शंकर, जिन्होंने रिटायरमेंट के बाद एक सप्ताह के भीतर श्रीलंका प्रीमियर लीग में कैंडी रॉयल्स टीम को जॉइन कर लिया. नई प्रस्तावित रिटायरमेंट पॉलिसी कहती है कि रिटायरमेंट के बाद खिलाड़ी पर कूलिंग-ऑफ पीरियड लागू हो जाएगा. इसका मतलब यदि कोई खिलाड़ी संन्यास के बाद विदेशी लीग में खेलता है, तो वह पांच साल तक भारत में किसी भी स्तर का क्रिकेट नहीं खेल पाएगा. साफ शब्दों में समझ लीजिए कि अगर किसी भारतीय खिलाड़ी ने आज संन्यास लिया है, तो वह अगले 5 साल तक किसी भी विदेशी लीग में भाग नहीं ले पाएगा. अगर वह ऐसा करता है, तो वह अगले 5 साल तक भारत में क्रिकेट किसी भी स्तर का क्रिकेट नहीं खेल सकता. विजय शंकर एकमात्र ऐसे खिलाड़ी नहीं हैं, जिन्होंने संन्यास के बाद अन्य लीगों में क्रिकेट खेला है. वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स और लीजेंड्स लीग क्रिकेट में युवराज सिंह, इरफान पठान और हरभजन सिंह समेत कई दिग्गज क्रिकेटर खेलते रहे हैं. उनपर शायद इस रिटायरमेंट पॉलिसी का कोई असर ना पड़े, क्योंकि वे अन्य किसी भी लेवल का क्रिकेट नहीं खेलते हैं

अफगानिस्तान की आधी टीम लौटी पवेलियन

मानव सुथार ने झटके 3 विकेट

भारतीय महिला हॉकी टीम ने जीता अंडर-18 एशिया कप का कांस्य पदक

भारतीय महिला हॉकी टीम ने शनिवार को यहां कोरिया के खिलाफ तीसरे स्थान के मैच में 3-0 से शानदार जीत दर्ज करते हुए अंडर-18 एशिया कप में कांस्य पदक जीता। भारत की ओर से संदीप कुमारी (दूसरे मिनट), कप्तान स्वीटी कुजूर (16वें मिनट) और नौशीन नाज (33वें मिनट) ने गोल दागे और टीम को पोडियम पर जगह दिलाई। सेमीफाइनल में चीन के खिलाफ शूटआउट में मिली करीबी हार के बाद भारतीय टीम ने कोरिया के खिलाफ शानदार शुरुआत की और शुरुआती दो मिनट में ही बढ़त बना ली। संदीप कुमारी ने बेहतरीन संयम दिखाया और दूसरे ही मिनट में शानदार फिनिश के साथ भारत को बढ़त दिला दी। भारत ने गेंद पर कब्जा बनाए रखा और सर्कल के अंदर कुछ अच्छे मूव बनाए। टीम को इस इनाम 16वें मिनट में मिला जब स्वीटी कुजूर ने मैदानी गोल करके भारत की बढ़त को दोगुना कर दिया। भारतीय टीम मध्यांतर तक 2-0 से आगे थी। तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में ही भारत ने एक और गोल दागा जब 33वें मिनट में टूर्नामेंट की शीर्ष स्कोरर नौशीन ने मैदानी गोल दागकर प्रतियोगिता में अपने कुल गोल की संख्या 12 तक पहुंचाई। मैच में शानदार प्रदर्शन और शुरुआती गोल करने के लिए संदीप कुमारी को मैच की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।

आर. प्रज्ञानानंदा ने रचा इतिहास, जीता नॉर्वे चेस 2026 का खिताब

भारत के ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंदा ने इतिहास रचते हुए प्रतिष्ठित नॉर्वे चेस का खिताब अपने नाम कर लिया है। फाइनल राउंड में उन्होंने जर्मनी के विन्सेंट कीमर को हराकर यह उपलब्धि हासिल की और इस खिताब को जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने। चेन्नई के 20 साल के युवा ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंदा ने ने इस खिताब को जीतकर एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। टूर्नामेंट के आखिरी दिन वह 15 अंक लेकर तीसरे पायदान पर थे, लेकिन अंतिम और निर्णायक मैच में उन्होंने क्लासिकल राउंड जीतकर पूरे 3 अंक बटोरे। इसके साथ ही उन्होंने कुल 18 अंकों के साथ चैंपियनशिप की ट्रॉफी अपने नाम कर ली। नॉर्वे चेस चैंपियनशिप जीतने के बाद पीएम मोदी ने भी प्रज्ञानानंदा को बधाई दी। उन्होंने लिखा कि प्रज्ञानानंदा को इस शानदार कामयाबी के लिए बधाई! यह सच में एक जबरदस्त माइलस्टोन है जो उनकी लगातार बेहतरीन काम को दिखाता है। उनके आगे के मैचों के लिए मेरी शुभकामनाएं। दूसरी बार इस नॉर्वे चेस का हिस्सा बने प्रज्ञानानंदा की शुरुआत इस टूर्नामेंट में धीमी रही, लेकिन प्रतियोगिता के सेकंड हाफ में उन्होंने शानदार वापसी की। उनके पूरे सफर का सबसे शानदार पल तब आया जब उन्होंने दुनिया के नंबर-वन खिलाड़ी और सात बार के नॉर्वे चेस विजेता मैग्नस कार्लसन को क्लासिकल चेस में दो बार मात दी। कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में फीके प्रदर्शन के बाद, उन्होंने जो वापसी की वो तारीफ के काबिल है। अंतिम राउंड की शुरुआत से पहले अमेरिकी खिलाड़ी वेस्ली सो 15.5 अंकों के साथ खिताबी रेस में सबसे आगे चल रहे थे। मगर अंतिम मैच में अलीरेजा फिरूजा के खिलाफ उनका क्लासिकल मुकाबला ड्रॉ पर खत्म हुआ, जिसके कारण मैच आर्मगेडन टाईब्रेकर में चला गया। इस मैच के साथ ही प्रज्ञानानंदा के लिए रास्ता साफ हो गया, क्योंकि वह जानते थे कि विन्सेंट कीमर के खिलाफ क्लासिकल मैच जीतते ही वह पहले स्थान पर आ जाएंगे।

आयरलैंड और इंग्लैंड सीरीज के लिए टीम इंडिया का ऐलान, IPL सितारों को मिला मौका

भारतीय टीम टी20 वर्ल्ड कप 2026 के बाद अब इस फॉर्मेट में अपनी अगली सीरीज आयरलैंड के दौरे पर खेलनी है जहां 26 जून से दो मैचों की सीरीज खेली जाएगी, वहीं इसके बाद टीम इंडिया को एक जुलाई से इंग्लैंड के खिलाफ पांच टी20 मैचों की सीरीज खेलनी है। इन दोनों ही सीरीज के लिए और एशियन गेम्स 2026 को लेकर बीसीसीआई की तरफ से 6 जून को टीम इंडिया के स्क्वाड का ऐलान कर दिया गया, जिसमें कुछ बड़े बदलाव भी देखने को मिला और आईपीएल 2026 के सीजन में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को भी मौका मिला तो वहीं कुछ के हाथों मायूसी भी लगी। टीम इंडिया के स्क्वाड को देखा जाए तो उसमें 10 आईपीएल टीमों में से 9 टीमें ऐसी हैं जिनके कम से कम एक खिलाड़ी को भारतीय स्क्वाड में जगह मिली है तो वहीं एक टीम जिसके किसी भी खिलाड़ी को नहीं चुना गया वह लगातार दूसरी बार खिताब को अपने नाम करने वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू है। टी20 सीरीज और एशियन गेम्स 2026 के लिए घोषित हुई भारतीय टीम के स्क्वाड में आईपीएल 2026 सीजन की टीमों से देखा जाए तो उसमें सबसे ज्यादा तीन प्लेयर्स सनराइजर्स हैदराबाद से चुने गए हैं, जिसमें अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और नितीश कुमार रेड्डी का नाम शामिल है। इसके अलावा 6 टीमें ऐसी हैं जिनके 2-2 प्लेयर्स को टीम इंडिया में जगह मिली है। पंजाब किंग्स से जहां नए टी20 कप्तान श्रेयस अय्यर और अर्शदीप का नाम शामिल है तो वहीं राजस्थान रॉयल्स से वैभव सूर्यवंशी और रवि बिश्नोई को जगह मिली है। मुंबई इंडियंस से तिलक वर्मा जिनको उपकप्तान बनाया है जबकि जसप्रीत बुमराह का नाम है जो सिर्फ एशियन गेम्स का हिस्सा है। चेन्नई सुपर किंग्स से शिवम दुबे और संजू सैमसन को चुना गया है। गुजरात टाइटंस से मोहम्मद सिराज और वाशिंगटन सुंदर जगह मिली है। कोलकाता नाइट राइडर्स से वरुण चक्रवर्ती के साथ हर्षित राणा जो चोटिल होने की वजह से पिछले काफी लंबे समय से बाहर थे उनको जगह मिली है। दिल्ली कैपिटल्स से अक्षर पटेल जबकि लखनऊ सुपर जाएंट्स से तेज गेंदबाज प्रिंस यादव का नाम शामिल है।

खुद को कैंसर मरीज बताकर लोगों से ठगे 70 लाख

इंफ्लुएंसर का गंदा खेल

सोशल मीडिया के दौर में दुनिया के एक कोने में बैठा इंसान दूसरे कोने में मौजूद किसी अजनबी से भी आसानी से जुड़ जाता है वहीं दूसरी तरफ ठगी और धोखाधड़ी के मामलों में भी तेजी से बढ़ोतरी हुई है.

दुनिया में लोग अमीर बनने के लिए क्या-क्या नहीं करते. कोई दिन-रात मेहनत करता है, कोई पढ़ाई में जिंदगी लगा देता है, तो कोई बेहतर भविष्य के लिए अपना वतन तक छोड़ देता है.

लेकिन कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जो कामयाबी के लिए शॉर्टकट का रास्ता चुन लेते हैं. इन दिनों ऐसा ही एक ठगी का मामला सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. सोशल मीडिया पर कैंसर पीड़ित बनकर लोगों की सहानुभूति हासिल करने वाली मिस्र की इंफ्लुएंसर डोनिया फौद अब खुद विवादों के घेरे में हैं. उन पर आरोप है कि उन्होंने कैंसर का झूठा दावा करके लोगों से करीब 40 लाख इजिप्शियन पाउंड यानी लगभग 71 लाख रुपये की मदद जुटाई, जबकि उन्हें कभी कैंसर था ही नहीं.

गल्फ न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, डोनिया फौद सोशल मीडिया पर लगातार ऐसे वीडियो शेयर करती थीं, जिनमें वह खुद को कैंसर से जूझती महिला बताती थीं. उनके पोस्ट देखकर हजारों लोगों ने भावुक होकर आर्थिक मदद भेजी.

लेकिन कुछ समय बाद लोगों को शक होने लगा, जब उनकी महंगी लाइफस्टाइल से जुड़ी तस्वीरें और वीडियो वायरल होने लगे. डोनिया फौद डोनेशन में मिले पैसों से उन्होंने कार खरीदी, फ्लैट लिया और कई लग्जरी सामान पर खर्च किया. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पत्रकार नादा अल-जाबाली ने दावा किया कि वर्ल्ड मेडिकल सेंटर की मेडिकल रिपोर्ट्स में कैंसर ट्रीटमेंट से जुड़ा कोई रिकॉर्ड नहीं मिला. रिपोर्ट में न कीमोथेरेपी का जिक्र था और न ही रेडिएशन का. बताया गया कि डोनिया को सिर्फ कुछ सामान्य स्त्री रोग संबंधी दिक्कतें थीं, जिनका इलाज चल रहा था. ⊙

भारत में जर्मनी से बेहतर है लाइफ

तनुज करीब 6 साल जर्मनी में रहे. उन्होंने वहां की जिंदगी को खूब एंजॉय किया. साफ सड़कें, ट्रैफिक का बोझ न होना, समय पर हर चीज का चलना, प्रदूषण मुक्त माहौल और शांतिपूर्ण दिनचर्या सब कुछ था.

लेकिन फिर भी एक खालीपन महसूस होता था.तनुज ने अपने पोस्ट में लिखा कि जर्मनी में सब कुछ बेहतर था. काम के बाद शाम को शांति, वीकेंड पर प्लान के मुताबिक घूमना, हर चीज अनुमानित और व्यवस्थित, लेकिन कुछ कमी लगती थी भारत में ट्रैफिक है, प्रदूषण है, शोर है, भीड़ है, अनिश्चितता है... फिर भी यहां कुछ है जो वहां नहीं मिलता. ⊙

बुजुर्ग ठेले वाले ने सिखाई इंसानियत

सोशल मीडिया पर अक्सर ऐसे वीडियो सामने आ जाते हैं जो दिल को छू जाते हैं और लोगों को सोचने पर मजबूर कर देते हैं. ऐसा ही एक भावुक वीडियो इन दिनों तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें एक बुजुर्ग ठेला चालक और पांच आवारा कुत्तों का अनोखा और बेहद प्यारा रिश्ता देखने को मिल रहा है. वीडियो में एक बुजुर्ग व्यक्ति अपनी ठेला चालक को धीरे-धीरे सड़क पर चला रहा है, और उसके साथ पांच आवारा कुत्ते भी उसी ठेले में आराम से बैठे नजर आते हैं.

दो कुत्ते आगे की तरफ और बाकी पीछे शांत होकर बैठे हैं, जैसे वे किसी सफर पर नहीं बल्कि अपने परिवार के साथ जा रहे हों. ⊙

40 फीसदी लोगों ने पार्टनर को दिया धोखा

ऑफिस रोमांस अब सिर्फ फिल्मों की कहानी नहीं रह गया है. एक ऐसी जगह, जहां हर शख्स अपने दिन के करीब 9 घंटे बिताता है, वहां किसी से लगाव होना आम बात मानी जाती है. लेकिन हाल ही में सामने आया एक सर्वे वाकई चौंकाने वाला है.

फोर्ब्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 60 फीसदी से ज्यादा लोग अपने वर्कप्लेस पर किसी न किसी रोमांटिक रिश्ते में रह चुके हैं. लंबे ऑफिस घंटे, रोजाना साथ काम करना और प्रोफेशनल प्रेशर को समझने वाला साथी मिलने की वजह से कई लोग अपने ही ऑफिस में पार्टनर ढूंढ लेते हैं. फोर्ब्स का ये सर्वे वायरल है, लोग इस पर अपना-अपना अनुभव भी बता रहे हैं. सर्वे के मुताबिक, 65 फीसदी लोगों ने कहा कि 'कंफर्टेबल फील' होना ऑफिस रिलेशनशिप की सबसे बड़ी वजह है. वहीं 61 फीसदी लोगों का कहना था कि ऑफिस के बाहर नए लोगों से मिलने का समय ही नहीं मिलता. दिलचस्प बात यह रही कि सिर्फ 38 फीसदी लोगों ने माना कि ऑफिस रोमांस से काम मजेदार बनता है, यानी ज्यादातर लोगों के लिए भावनात्मक समझ ज्यादा अहम है. ⊙

महेश बाबू बनेंगे राम 'वाराणसी' को लेकर सामने आई बड़ी जानकारी

हैदराबाद। निर्देशक एस.एस. राजामौली की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'वाराणसी' को लेकर दर्शकों के बीच उत्साह लगातार बढ़ता जा रहा है। फिल्म की कहानी, इसके भव्य सेट और स्टारकास्ट को लेकर पहले से ही चर्चाओं का दौर जारी था, लेकिन अब राजामौली के पिता और प्रसिद्ध पटकथा लेखक के.वी. विजयेंद्र प्रसाद ने फिल्म से जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कर प्रशंसकों की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। एक हालिया कार्यक्रम में विजयेंद्र प्रसाद ने खुलासा किया कि फिल्म में लगभग 30 मिनट लंबा एक भव्य और रोमांचक युद्ध दृश्य देखने को मिलेगा, जिसमें भगवान राम और कुंभकर्ण के बीच संघर्ष को दर्शाया जाएगा। उन्होंने संकेत दिया कि यह दृश्य भारतीय सिनेमा के सबसे यादगार और दृश्यात्मक रूप से शानदार सीक्वेंस में से एक साबित हो सकता है। जब उनसे पूछा गया कि यह लंबा सीक्वेंस पौराणिक है या राजनीतिक, तो उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि यह राम और कुंभकर्ण के बीच की लड़ाई है। उन्होंने बताया कि फिल्म के शुरुआती प्रचार सामग्री और विजुअल्स में दर्शकों को इसके कुछ संकेत पहले ही मिल चुके हैं। विजयेंद्र प्रसाद के अनुसार, इस युद्ध दृश्य को अत्यंत भव्यता और तकनीकी उत्कृष्टता के साथ फिल्माया गया है, जो दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देगा। फिल्म में भगवान राम की भूमिका निभाने को लेकर लंबे समय से चर्चा चल रही थी। अब लगभग स्पष्ट हो चुका है कि दक्षिण भारतीय सुपरस्टार महेश बाबू इस किरदार में नजर आएंगे। राजामौली भी पहले एक कार्यक्रम में महेश बाबू के लुक की जमकर प्रशंसा कर चुके हैं। उन्होंने बताया था कि जब पहली बार महेश बाबू राम के वेश में फोटोशूट के लिए सामने आए, तो उन्हें देखकर उनके रोंगटे खड़े हो गए थे। राजामौली ने कहा था कि महेश बाबू में जहां भगवान कृष्ण जैसी आकर्षक व्यक्तित्व की झलक दिखाई देती है, वहीं उनके चेहरे पर भगवान राम जैसी शांति और गंभीरता भी नजर आती है। निर्देशक ने यहां तक खुलासा किया था कि उन्होंने महेश बाबू के राम अवतार वाली तस्वीर को कुछ समय के लिए अपने मोबाइल का वॉलपेपर भी बनाया था, हालांकि बाद में गोपनीयता बनाए रखने के लिए उसे हटा दिया। फिल्म के चर्चित युद्ध दृश्य को लेकर राजामौली ने बताया कि इसकी शूटिंग लगभग 60 दिनों तक चली। उनके अनुसार, इस सीक्वेंस का हर हिस्सा अपने आप में एक अलग फिल्म जैसा था। शूटिंग के दौरान कई तकनीकी और रचनात्मक चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन अंततः पूरी टीम ने इसे सफलतापूर्वक पूरा कर लिया। उनका मानना है कि यह दृश्य उनके करियर के सबसे यादगार फिल्मी क्षणों में शामिल होगा। फिल्म को लेकर पहले ऐसी चर्चाएं थीं कि इसकी कहानी टाइम ट्रैवल की अवधारणा पर आधारित हो सकती है, लेकिन अब रामायण से जुड़े तत्वों के सामने आने के बाद दर्शकों की जिज्ञासा और बढ़ गई है। फिल्म में महेश बाबू के अलावा पृथ्वीराज सुकुमारन और प्रियंका चोपड़ा भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। प्रियंका चोपड़ा इस फिल्म के जरिए लंबे समय बाद भारतीय सिनेमा में वापसी कर रही हैं। फिल्म के वर्ष 2027 में रिलीज होने की संभावना है और इसे भारतीय सिनेमा की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक माना जा रहा है।

बुद्धेश्वर क्षेत्र की समस्याएं लेकर राजनाथ सिंह से मिले नागरिक, जाम और अतिक्रमण हटाने की मांग

बुद्धेश्वर विकास महासभा ने सांसद राजनाथ सिंह को ज्ञापन सौंपकर जाम, अतिक्रमण और यातायात समस्याओं के समाधान की मांग की। साथ ही आलमनगर स्टेशन और हैदरगंज वार्ड का नाम बदलने का प्रस्ताव रखा।

राजधानी लखनऊ के बुद्धेश्वर क्षेत्र में लंबे समय से चली आ रही यातायात जाम और अतिक्रमण की समस्या को लेकर स्थानीय नागरिकों ने रक्षा मंत्री एवं लखनऊ सांसद राजनाथ सिंह से मुलाकात कर समाधान की मांग की है। बुद्धेश्वर विकास महासभा के प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को सांसद आवास पहुंचकर क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं से अवगत कराया और एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा। महासभा के संरक्षक अजय त्रिपाठी 'मुन्ना' के नेतृत्व में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि बुद्धेश्वर चौराहे और उसके आसपास का इलाका पिछले कई वर्षों से गंभीर यातायात अव्यवस्था का सामना कर रहा है। क्षेत्र में स्थित प्रसिद्ध बुद्धेश्वर महादेव मंदिर में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं। इसके अलावा आसपास के इलाकों में तेजी से बढ़ती आबादी और वाहनों की संख्या ने यातायात दबाव को और बढ़ा दिया है। ज्ञापन में कहा गया कि बुद्धेश्वर चौराहे के आसपास सड़क किनारे हुए स्थायी अतिक्रमण, अव्यवस्थित पार्किंग और अनियोजित यातायात व्यवस्था के कारण दिनभर जाम की स्थिति बनी रहती है। इसका सबसे अधिक असर स्थानीय व्यापारियों, छात्रों, कर्मचारियों, मरीजों और श्रद्धालुओं पर पड़ रहा है। कई बार लोगों को घंटों तक जाम में फंसे रहना पड़ता है, जिससे उनके दैनिक कार्य प्रभावित होते हैं और समय की भी भारी बर्बादी होती है। प्रतिनिधिमंडल ने विशेष रूप से आलमनगर रेलवे ओवरब्रिज से उतरने के बाद पारा, राजाजीपुरम और आसपास के क्षेत्रों की ओर जाने वाले मुख्य मार्गों पर दोनों ओर फैले स्थायी अतिक्रमण की ओर ध्यान आकर्षित किया। महासभा के पदाधिकारियों का कहना है कि सड़क के दोनों किनारों पर हुए अतिक्रमण के कारण मार्ग की चौड़ाई काफी कम हो गई है। परिणामस्वरूप सुबह और शाम के समय वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं और लोगों को आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। बैठक के दौरान क्षेत्र की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान से जुड़े मुद्दे भी उठाए गए। प्रतिनिधिमंडल ने आलमनगर रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर "बुद्धेश्वर स्टेशन" तथा हैदरगंज वार्ड का नाम बदलकर "बुद्धेश्वर वार्ड" किए जाने की मांग रखी। महासभा के पदाधिकारियों का कहना था कि बुद्धेश्वर क्षेत्र की पहचान ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। ऐसे में इन संस्थानों और क्षेत्रों का नाम बुद्धेश्वर के नाम पर रखा जाना स्थानीय जनता की लंबे समय से चली आ रही मांग है।महासभा के अध्यक्ष राजेश शुक्ला ने बताया कि रक्षा मंत्री एवं सांसद राजनाथ सिंह ने प्रतिनिधिमंडल की सभी मांगों और समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने आश्वासन दिया कि संबंधित विभागों और अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के लिए निर्देशित किया जाएगा, ताकि क्षेत्रवासियों की समस्याओं का यथाशीघ्र समाधान हो सके। प्रतिनिधिमंडल में महासभा के महामंत्री शिव प्रसाद पांडेय, घनश्याम पांडेय, अवधेश शुक्ला, संजय मिश्रा, किसान यूनियन नेता अमर सिंह लोधी सहित कई पदाधिकारी और क्षेत्रीय नागरिक शामिल रहे। बैठक के बाद महासभा के सदस्यों ने उम्मीद जताई कि लंबे समय से लंबित जाम, अतिक्रमण और नाम परिवर्तन से जुड़ी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक पहल होगी, जिससे क्षेत्रवासियों को राहत मिल सकेगी।

नशे की हालत में नहर में गिरे व्यक्ति को बचाया

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

पारा थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात एक व्यक्ति नशे की हालत में थाने के सामने स्थित नहर में गिर पड़ा। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों में से एक सिपाही रस्सी लेकर उसे बचाने कूद गया। सिपाही ने 10 मिनट की कड़ी मशक्कत के बाद व्यक्ति को रस्सी से बांध दिया। इसके बाद दूसरे सिपाहियों ने उसे सुरक्षित बाहर खींच लिया। इस बचाव अभियान में एक पुलिसकर्मी आंशिक रूप से घायल भी हो गया। जानकारी के अनुसार, देर रात एक युवक नहर के पास पहुंचा और नशे की हालत में अचानक नहर में गिर। युवक को नहर में गिरते देख आसपास मौजूद लोग चिल्लाने लगे। सूचना मिलते ही पारा थाने पर तैनात आरक्षी उदय भान और मनोज तुरंत मौके पर पहुंचे। उसी समय जोनल चेकिंग कर रहे उप निरीक्षक रविशंकर मौर्य और पुलिसकर्मी राजेश गुप्ता भी वहां पहुंच गए। पुलिस टीम ने बिना देरी किए बचाव अभियान शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद युवक को नहर से सुरक्षित बाहर निकाला गया। इस दौरान कॉन्स्टेबल मनोज को हल्की चोटें आईं, जिन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया। उनकी हालत सामान्य बताई गई है। पुलिस पूछताछ में युवक की पहचान शिव शंकर पुत्र दुलारे, निवासी डूडा कॉलोनी, हंसखेड़ा, थाना पारा के रूप में हुई। पुलिस के अनुसार, वह शराब के नशे में था। उसे समझाने-बुझाने के बाद सुरक्षित उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया और घटना की पूरी जानकारी दी गई। पारा पुलिस की इस त्वरित और मानवीय कार्रवाई की स्थानीय लोगों ने सराहना की है। लोगों का कहना है कि यदि पुलिस समय रहते सक्रियता नहीं दिखाती तो कोई बड़ा हादसा हो सकता था। पुलिस अधिकारियों ने भी बचाव अभियान में शामिल जवानों की प्रशंसा की है।

संडे की छुट्टी का हवाला देकर टाली मदद, लिफ्ट में फंसे युवक ने झेली परेशानी

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ के गोमतीनगर विस्तार स्थित सरस्वती अपार्टमेंट की लिफ्ट में एक युवक फंस गया। मदद के लिए कंपनी को फोन किया गया तो जिम्मेदारों ने कहा- कल आएंगे। आज संडे की छुट्टी है। युवक फ्लैट ए-602 का आवंटी है। पीड़ित के अनुसार, लिफ्ट अटकी थी लेकिन न अलार्म बजा और न ही कोई गार्ड आया। फ्लैट ए-602 में रहने वाले रणविजय सिंह रविवार सुबह अपने डॉगी को घुमाकर लौट रहे थे। ग्राउंड फ्लोर से छठी मंजिल पर जाने के दौरान लिफ्ट दूसरे और तीसरे फ्लोर के बीच फंस गई। रणविजय ने बताया कि लिफ्ट रुकने के बाद उन्होंने इमरजेंसी अलार्म बजाने की कोशिश की, लेकिन अलार्म काम नहीं किया। उस समय फ्लोर में कोई गार्ड भी मौजूद नहीं था। मदद नहीं मिलने पर उन्होंने लिफ्ट का दरवाजा पीटना शुरू किया। इसी दौरान वहां से गुजर रहे एक व्यक्ति ने अंदर से आवाज सुनी। तब तक 20 मिनट बीत चुके थे। उसने घरवालों और अपार्टमेंट के सुरक्षाकर्मियों को सूचना दी। कुछ देर बाद दो सुरक्षाकर्मी

मौके पर पहुंचे और लिफ्ट खोलने का प्रयास शुरू किया। करीब 20 मिनट की मशक्कत के बाद लिफ्ट का एक दरवाजा खोला जा सका और रणविजय को सुरक्षित बाहर निकाला गया। रणविजय ने बताया कि हर महीने एक हजार रुपए का मेंटेनेंस RWA वसूल करता है। उसके बाद भी लिफ्ट जैसे जरूरी सुविधा का मेंटेनेंस नहीं होना दुर्भाग्यपूर्ण है। मेंटेनेंस के नाम पर सिर्फ वसूली की जा रही है।

प्रतीक यादव के बर्थडे पर पत्नी अपर्णा भावुक

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

सपा प्रमुख अखिलेश यादव के भाई प्रतीक के बर्थडे पर पत्नी अपर्णा भावुक हो गईं। उन्होंने फेसबुक पर प्रतीक और अपनी छोटी बेटी पद्मजा के साथ तस्वीर शेयर की। लिखा- जैसा आप कहते थे, आप हमेशा जवान रहेंगे। दरअसल, प्रतीक का 25 दिन पहले यानी 13 मई को लखनऊ में हार्टअटैक से निधन हो गया था। आज (7 जून) उनका जन्मदिन है। बड़ी बेटी प्रथमा ने पियानो पर 'हैप्पी बर्थडे' की धुन बजाकर पापा को याद किया। सफेद रंग का पियानो प्रतीक ने प्रथमा को गिफ्ट किया था। इसके अलावा, अपर्णा ने प्रतीक यादव के लिए फेसबुक पर स्टोरी भी लगाई है। इसमें प्रतीक कार रेसिंग करते नजर आ रहे हैं। इससे पहले, बेटी पद्मजा ने अपने हाथ पर पापा प्रतीक को गले लगाए हुए टैटू बनवाया था। टैटू में प्रतीक, पद्मजा को बहुत ही प्यार से सीने से लगाए हुए हैं।

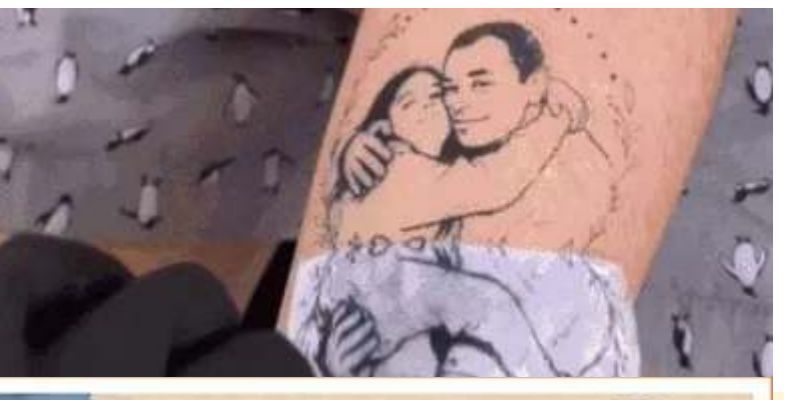

'नगर निगम अफसरों की लापरवाही से गई लालाराम की जान'

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में अंडरग्राउंड नाले की सफाई के दौरान हुई कर्मचारी की मौत के मामले में नगर निगम के अधिकारियों पर लापरवाही के आरोप लगे हैं। सफाई कर्मियों का आरोप है कि नालों की सफाई के दौरान नगर निगम के अधिकारी अनदेखी कर रहे हैं। सिर्फ कागजों में गुणवत्तापरख काम कर रहे हैं। ग्राउंड पर कुछ नहीं हो रहा है। नालों की सफाई के दौरान नगर निगम की तरफ सुरक्षा मानकों को लेकर मॉनिटरिंग नहीं की जाती है। सबकुछ ठेकेदार के भरोसे छोड़ दिया जाता है। लालाराम को भी बिना किसी सुरक्षा उपकरण के अंडरग्राउंड नाले में उतारा गया था। उसकी मौत के बाद भी शहर में बिना सुरक्षा उपकरण के नालों की सफाई कराई जा रही है। स्टैंडर्ड प्रोटोकॉल के अनुसार, मैनहोल या सीवर की सफाई से पहले मानक प्रक्रिया के तहत परीक्षण टेस्टिंग की तैयारी के लिए कम से कम तीन मैनहोल के ढक्कन खोले जाते हैं। इसके बाद लाइन में ताजी ऑक्सीजन पहुंचाने के लिए एक सक्शन पंप का उपयोग किया जाता है। इसके बाद लाइन के अंदर प्रवेश की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विशेष उपकरणों का उपयोग करके ऑक्सीजन की रीडिंग ली जाती है। इसके साथ ही यातायात में व्यवधान कम हो इस लिए रात में काम को करने की सलाह है। हालांकि, यह काम व्यस्त चौराहे पर दोपहर के समय में किया गया। स्टैंडर्ड प्रोटोकॉल में बताए गए करीब सभी नियमों का चिनहट तिराहे पर नाला सफाई के दौरान उल्लंघन किया गया। बावजूद इसके अधिकारी सिर्फ कांट्रैक्ट नियमों का हवाला देकर पल्ला झाड़ते हुए नजर आए।

उन्नाव में सरकारी भूमि पर कब्जे का आरोप, सर्वे प्रक्रिया पर उठे सवाल

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव के सदर तहसील क्षेत्र के ग्राम मझरा पीपरखेड़ा एहतमाली और कटरी पीपरखेड़ा में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जों और सर्वे कार्य में कथित अनियमितताओं का मामला सामने आया है। शिकायतकर्ता पंकज सिंह ने राजस्व विभाग के कुछ अधिकारियों, भूमाफियाओं और राजनीतिक संरक्षण प्राप्त लोगों पर मिलीभगत कर सरकारी भूमि पर कब्जे कराने तथा गरीब भूमिधरों को परेशान करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। पंकज सिंह ने बताया कि दोनों गांव वर्तमान में सर्वे प्रक्रिया के अंतर्गत हैं। उनका आरोप है कि सर्वे के दौरान प्रमाणित नक्शों के बजाय त्रुटिपूर्ण नक्शों का उपयोग किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि कुछ भूमाफियाओं ने अपनी वास्तविक भूमि से अधिक जमीन का विक्रय कर सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे किए हैं, जिसमें कुछ भ्रष्ट अधिकारियों की भूमिका भी संदिग्ध है। शिकायतकर्ता के अनुसार, जब आम लोग अपनी भूमि की नाप कराने पहुंचते हैं, तो अधिकारियों द्वारा प्रमाणित नक्शा उपलब्ध न होने का हवाला देकर मना कर दिया जाता है। हालांकि, सरकारी भूमि बताकर नोटिस जारी करने और निर्माण गिराने के लिए उन्हीं नक्शों का इस्तेमाल किया जाता है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कई गरीब परिवारों को बिना स्पष्ट नाम और तिथि वाली नोटिसें

चस्पा कर दी जाती हैं, जिसके बाद उनके मकानों या बाउंड्रीवाल को सरकारी भूमि पर अतिक्रमण बताकर ध्वस्त कर दिया जाता है। पंकज सिंह ने बताया कि इस मामले की शिकायत पूर्व में मंडलायुक्त और मुख्यमंत्री स्तर तक की गई थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने सहायक अभिलेख अधिकारी प्रशांत नायक के खिलाफ भी आरोप लगाए। उनके अनुसार, वर्ष 2024 में स्वयं संबंधित अधिकारी ने उच्चाधिकारियों को पत्र लिखकर नक्शे और चौहद्दी में त्रुटियों की बात स्वीकार की थी, बावजूद इसके उन्हीं त्रुटिपूर्ण आधारों पर कार्रवाई की जा रही है। इन आरोपों पर संबंधित अधिकारियों की ओर से अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। पंकज सिंह ने यह भी दावा किया कि मरहला क्षेत्र स्थित एक गेस्ट हाउस की जांच पूर्व में सरकारी भूमि पर निर्माण पाए जाने के आधार पर हुई थी। हालांकि, बाद में अधिकारियों के बदलने के बाद स्थिति बदल गई। उन्होंने आरोप लगाया कि संबंधित प्रकरण की फाइलें भी उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं। उन्होंने बताया कि हाल ही में तहसील दिवस में जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र दिया गया था। इसके बाद उन्होंने सदर विधायक पंकज गुप्ता से मुलाकात कर पूरे मामले की जानकारी दी। विधायक ने कथित रूप से मामले को जिलाधिकारी के समक्ष उठाने और जांच समिति गठित कराने का आश्वासन दिया है।

अमरनाथ यात्रा के लिए राशन सामग्री रवाना

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

शुक्लागंज स्थित श्री अमरनाथ सेवा मंडल की शाखा ने अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं की सेवा के लिए एकत्र की गई राशन सामग्री को ट्रक से रवाना किया। विधिवत पूजन-अर्चन के बाद ट्रक को रवाना किया गया, जिससे क्षेत्र में धार्मिक उत्साह का माहौल रहा और बाबा बर्फानी के जयकारों से वातावरण गूंज उठा। मंडल द्वारा राजधानी मार्ग स्थित मन्नी बिहारीपुरम के निकट स्थापित कलेक्शन सेंटर पर पिछले कई दिनों से श्रद्धालुओं और समाजसेवियों के सहयोग से भंडारे के लिए आवश्यक सामग्री एकत्र की जा रही थी। नगरवासियों ने आटा, चीनी, दाल, चायपत्ती, सरसों का तेल, नमक, दूध, रिफाइंड, कोल्ड ड्रिंक, दवाइयां सहित अन्य दैनिक उपयोग की वस्तुएं दान कीं। मंडल पदाधिकारियों ने बताया कि यह सभी सामग्री अमरनाथ यात्रा मार्ग पर लगाए जाने वाले सेवा शिविरों और भंडारों में उपयोग की जाएगी। भेजी गई सामग्री का उपयोग अमरनाथ की पवित्र गुफा, बालटाल, पंचतरिणी तथा जम्मू स्थित यात्री निवासों में लगाए जाने वाले भंडारों में किया जाएगा, जहां हजारों श्रद्धालुओं को निःशुल्क भोजन एवं अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं।

उन्नाव में 11वां जय घुसेश्वर क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव में 11वें जय घुसेश्वर क्रिकेट टूर्नामेंट के सातवें दिन नागेश्वर इलेवन ने बेहटा इलेवन को 3 विकेट से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। यह टूर्नामेंट का 14वां मुकाबला था, जिसमें भूरा के हरफनमौला प्रदर्शन ने नागेश्वर इलेवन को जीत दिलाई। टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने उतरी नागेश्वर इलेवन ने शुरुआत से ही बेहटा टीम पर दबाव बनाए रखा। बेहटा के बल्लेबाज दीपक ने 55 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली, लेकिन अन्य बल्लेबाज बड़ी साझेदारी करने में विफल रहे। नियमित अंतराल पर विकेट गिरने के कारण बेहटा की पूरी टीम निर्धारित 12 ओवरों में 108 रन ही बना सकी। 109 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी नागेश्वर इलेवन की टीम ने संयम और आत्मविश्वास के साथ बल्लेबाजी की। टीम ने 11.2 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर शानदार जीत दर्ज की। नागेश्वर इलेवन की जीत के नायक भूरा रहे। उन्होंने गेंदबाजी में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 30 रन देकर 2 महत्वपूर्ण विकेट झटके। उनके हरफनमौला प्रदर्शन के लिए उन्हें 'मैन ऑफ द मैच' चुना गया। मैच के दौरान मैदान पर दर्शकों का भारी उत्साह देखने को मिला। हजारों क्रिकेट प्रेमियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। टूर्नामेंट में लगातार रोमांचक मुकाबलों के चलते दर्शकों की संख्या और उत्साह दोनों में बढ़ोतरी हो रही है।

उन्नाव में कांग्रेस का प्रदर्शन

उन्नाव में रविवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने घरेलू गैस सिलेंडर की लगातार बढ़ती कीमतों के विरोध में प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन नगर अध्यक्ष पुत्तीलाल वर्मा के नेतृत्व में गंगाघाट कोतवाली के सामने किया गया। इसमें महिला कार्यकर्ताओं सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ नारेबाजी की और गैस सिलेंडर की बढ़ी हुई कीमतों को जनविरोधी बताया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हाथों में गैस सिलेंडर और तख्तियां लेकर महंगाई के खिलाफ आवाज उठाई। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि बढ़ती महंगाई से आम जनता का जीवन प्रभावित हो रहा है और रसोई का बजट बिगड़ गया है। नगर अध्यक्ष पुत्तीलाल वर्मा ने कहा कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में घरेलू गैस सिलेंडर लगभग 450 रुपये में उपलब्ध था। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले 12 वर्षों में सिलेंडर की कीमतों में कई गुना वृद्धि हुई है, जिसका सबसे अधिक असर गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों पर पड़ रहा है। वर्मा ने सरकार से जनता की समस्याओं को समझते हुए गैस सिलेंडर की कीमतों में राहत देने की मांग की। नगर उपाध्यक्ष जयपाल साहू ने कहा कि वर्तमान में जनता महंगाई से परेशान है। घरेलू गैस सिलेंडर के दाम लगातार बढ़ने से आम लोगों के लिए घर का खर्च चलाना मुश्किल हो रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि यही स्थिति बनी रही तो आने वाले समय में जनता इसका जवाब देगी। मंहगाई डाय हाय हाय के नारे लगाये। नगर महामंत्री रवि शंकर गुप्ता ने कहा कि पहले पेट्रोल और गैस के दाम बढ़ने पर सरकारों से जवाब मांगा जाता था, लेकिन अब बढ़ती महंगाई की जिम्मेदारी जनता पर ही डाल दी जाती है। उन्होंने सरकार से महंगाई पर नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाने की अपील की ताकि आम लोगों को राहत मिल सके। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार से घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में कमी करने और महंगाई पर नियंत्रण लगाने की मांग की। इस कार्यक्रम में पुत्तीलाल वर्मा, जयपाल साहू, रवि शंकर गुप्ता सहित कई अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे। शंकर गुप्ता, मुन्ना सोनी, गणेश वर्मा, राजेश रावत, श्वेता, हेमलता, यश, ज्योति, माला जौहरी, पुष्पा गौतम सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता एवं समर्थक मौजूद रहे। प्रदर्शन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

उन्नाव की कांशीराम कॉलोनी में सीवर जाम, घरों में घुसा गंदा पानी

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव की कांशीराम कॉलोनी के ब्लॉक संख्या 84 में सीवर और नालियों के जाम होने से गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। कई घरों में गंदा पानी भर गया है, जिससे निवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नगर पालिका और संबंधित अधिकारियों से शिकायत के बावजूद कोई समाधान नहीं हुआ है। ब्लॉक 84/2 निवासी वारिस ने बताया कि कॉलोनी के गटर पूरी तरह जाम हैं, जिससे पानी की निकासी रुक गई है। उनके घर के अंदर तक गंदा पानी भर गया है। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि छोटे बच्चों के साथ गंदगी में रहना मुश्किल हो गया है। वारिस के अनुसार, नगर पालिका और ग्राम प्रधान से कई बार शिकायत की गई, लेकिन केवल आश्वासन ही मिला। वारिस ने यह भी आरोप लगाया कि सफाई के लिए आने वाले कुछ निजी कर्मचारी गटर साफ करने के बदले 10 से 15 हजार रुपये की मांग करते हैं। पैसे न देने पर वे सिर्फ निरीक्षण कर लौट जाते हैं। उन्होंने बताया कि गटर की सफाई का रास्ता उनके घर के भीतर से है, लेकिन जिम्मेदार विभाग इस समस्या को गंभीरता से नहीं ले रहा है। मजबूरन परिवार के सदस्य खुद ही गंदा पानी निकालने और कूड़ा हटाने का काम कर रहे हैं। कॉलोनी निवासी चंदा देवी ने पुष्टि की कि यह समस्या केवल एक घर की नहीं, बल्कि पूरी कॉलोनी की है। उन्होंने बताया कि अधिकांश ब्लॉकों में सीवर जाम हैं और नालियों के किनारे कूड़े के ढेर लगे हुए हैं। चंदा देवी के अनुसार, पहले नियमित रूप से सफाई होती थी, लेकिन पिछले काफी समय से सफाईकर्मी नहीं आए हैं, जिससे गंदगी और दुर्गंध बढ़ती जा रही है। स्थानीय निवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि बरसात का मौसम शुरू होने से पहले सीवर और नालियों की सफाई नहीं कराई गई, तो स्थिति और भी गंभीर हो सकती है। गंदे पानी और कूड़े के कारण संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा भी बढ़ गया है। कॉलोनीवासियों ने जिला प्रशासन और नगर पालिका प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप कर सीवर लाइन की सफाई, कूड़ा निस्तारण और जल निकासी की समुचित व्यवस्था कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो उन्हें आंदोलन का रास्ता अपनाने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

व्यक्तित्व निर्माण से होगा राष्ट्र निर्माण, भारत बनेगा पुनः विश्व गुरू: अनिल

उन्नाव में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के संघ शिक्षा वर्ग (सामान्य) का समापन समारोह आयोजित किया गया। पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के सह क्षेत्र कार्यवाह अनिल ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि संघ का उद्देश्य व्यक्तित्व निर्माण के माध्यम से संगठित, सक्षम और राष्ट्रभक्त समाज का निर्माण करना है, जिससे भारत को पुनः विश्व गुरू के रूप में स्थापित किया जा सके। समापन समारोह में मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए अनिल ने कहा कि संघ की शाखा पद्धति व्यक्ति निर्माण का प्रभावी माध्यम है। शाखा के माध्यम से स्वयंसेवकों में अनुशासन, समर्पण, सेवा और राष्ट्रभक्ति के संस्कार विकसित होते हैं, जो समाज जागरण और व्यवस्था परिवर्तन की आधारशिला बनते हैं। उन्होंने कहा कि संघ शिक्षा वर्ग केवल शारीरिक या बौद्धिक प्रशिक्षण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि स्वयंसेवकों के सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि भारत आज भौतिक और आध्यात्मिक दोनों क्षेत्रों में निरंतर प्रगति कर रहा है और विश्व पटल पर उसकी प्रतिष्ठा बढ़ रही है। हालांकि, युवाओं में राष्ट्रभावना का क्षय, जनसंख्या असंतुलन, पाश्चात्य अनुकरण, अत्यधिक भौतिकता और जीवन मूल्यों में गिरावट जैसी चुनौतियां समाज के सामने मौजूद हैं। इन चुनौतियों से निपटने के लिए राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए कर्तव्यों के निर्वहन की आवश्यकता है। अनिल ने संघ द्वारा प्रतिपादित "पंच परिवर्तन" की अवधारणा का उल्लेख करते हुए कहा कि परिवार प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता, स्वबोध और नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूकता आज समय की मांग है। यदि समाज इन विषयों पर गंभीरता से कार्य करे तो राष्ट्र जीवन में व्यापक सकारात्मक परिवर्तन संभव है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भन्ते शील रतन ने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ और प्रसन्न मन का निवास होता है। उन्होंने कहा कि भारत पहले भी विश्व गुरू था और भविष्य में भी रहेगा। राष्ट्र और समाज में परिवर्तन किसी एक व्यक्ति के प्रयास से नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति के छोटे-छोटे योगदान से आता है। यदि हर स्वयंसेवक अपने घर, मोहल्ले और गली को बेहतर बनाने का प्रयास करे तो पूरा देश बदल सकता है।

शंकराचार्य का भाजपा पर निशाना, बोले- अब पार्टी में दो विचारधाराएं

आगरा में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने गो-संरक्षण को लेकर सरकारों और राजनीतिक दलों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि गाय को माता का दर्जा देने वाले नेताओं का समर्थन किया जाएगा और इस कसौटी पर अब तक केवल एकनाथ शिंदे खरे उतरे हैं।

आगरा में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा-शंकराचार्यों का सम्मान सभी करते हैं, लेकिन एक व्यक्ति अहंकार में चूर होकर उनका अपमान कर रहा है। शंकराचार्यों का ऐसा अपमान मुगलों और अंग्रेजों ने भी नहीं किया था। भाजपा में भी अब दो भाजपा हो गई है। एक भाजपा गाय से प्रेम करती है, जबकि दूसरी गाय को माता कहने के लिए भी तैयार नहीं है। एक भाजपा संतों का सम्मान करती है, तो दूसरी संतों का अपमान करती है। हम अच्छी भाजपा को स्वीकार करते हैं और गलत भाजपा का विरोध करते हैं। दरअसल, रविवार को शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की गविष्टि यात्रा आगरा पहुंची। यह यात्रा गो-संरक्षण और जनजागरण के उद्देश्य से निकाली जा रही है। राजपुर चुंगी स्थित परशुराम मंदिर पार्क में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उन्होंने लोगों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा- आप लोग ऐसे लोगों को सत्ता में पहुंचाएं, जो गाय को माता का दर्जा दें। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा- हम एक सरकार को हटाकर दूसरी सरकार बनाने की बात नहीं कर रहे हैं। हम केवल कंधा बदलने के लिए नहीं आए हैं। हम यह नहीं कह रहे कि पहले नागनाथ थे, अब सांपनाथ को ले आइए। हालांकि, यह संभव है कि स्थापित राजनीतिक दलों में कुछ लोगों का जमीर जाग जाए। आजादी के 78 साल बाद भी यह वादा पूरा नहीं हो सका। हमारे साथ छल किया गया है। यदि 78 साल पुराना वादा याद नहीं है, तो अपनी-अपनी पीढ़ी की सरकारों को ही देख लीजिए। केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार को ही देख लीजिए। क्या इन्होंने वादे नहीं किए थे? उन वादों का क्या हुआ? गौमाता की पीड़ा को समझने में वे असफल रहे। यदि यह धोखा नहीं है, तो फिर क्या है? मैं लोगों को इसी जालसाजी और ढोंग से सावधान करने आया हूं। उन्होंने कहा- देश के सभी नेताओं की परीक्षा होनी है। सबसे पहले वे औपचारिक रूप से गाय को माता कहकर पुकारें। जो सरकार में हैं, वे सरकारी स्तर पर गाय को माता घोषित करके दिखाएं। जो सरकार में नहीं हैं, वे अपनी पार्टी में प्रस्ताव पारित कर शपथपत्र जारी करें और गाय को माता कहकर दिखाएं। हर पार्टी और हर नेता के लिए यही परीक्षा है। जो इस परीक्षा में सफल होगा, उसका नाम हम बताएंगे। अभी तक इस परीक्षा में केवल एक ही नाम पास हुआ है, और वह है महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का। उन्होंने आगे बढ़कर गाय को माता कहा। उनके अलावा अब तक कोई दूसरा नाम हमारे सामने नहीं आया है।

यूपी में मानसून लेट, अब 24 जून तक पहुंचेगा

यूपी में आंधी-बारिश का सिलसिला जारी है। रविवार तड़के महाराजगंज में मूसलाधार बारिश हुई। तेज हवा के साथ करीब डेढ़ घंटे तक बारिश होती रही। बादल गरजने के साथ बिजली भी कड़की। खेतों में लबालब पानी भर गया। इसके अलावा, बाकी सभी जिलों में मौसम साफ है। तेज धूप निकली है। हवा की रफ्तार कम होने से उमस महसूस हो रही है। मौसम विभाग (IMD) का कहना है कि पश्चिमी विक्षोभ का असर खत्म हो गया है। ऐसे में बारिश के कोई आसार नहीं हैं। हालांकि, एक-दो जगह स्थानीय मौसमी सिस्टम की वजह से बारिश हो सकती है। ऐसे में 24 घंटे में पारा 5°C उछलकर 47°C तक पहुंच सकता है। 9 जून से 3 दिन हीटवेव (लू) चलेगी। 11 जून के बाद प्री-मानसून बारिश का सिलसिला शुरू होगा। IMD के मुताबिक, इस बार यूपी में मानसून 4 से 6 दिन लेट पहुंच सकता है। इसके 24 जून तक प्रदेश में प्रवेश करने की संभावना है। आने के बाद 10 दिनों में मानसून पूरे यूपी पर छा जाएगा। मानसून आमतौर पर 18-20 जून के बीच यूपी पहुंचता है। शनिवार को झांसी 42.5°C के साथ प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा। बांदा में 42.2°C, जालौन में 41.4°C, फतेहपुर में 41.4°C और वाराणसी में 41.2°C रिकॉर्ड किया गया। न्यूनतम तापमान की बात करें तो आजमगढ़ में रात का पारा सबसे कम 20°C दर्ज किया गया।

संभल में बुलडोजर चला तो महिलाएं फूट-फूटकर रोईं

संभल में रविवार को लगातार दूसरे दिन सरकारी जमीन पर बनी मस्जिद मुस्तफा कादरी पर बुलडोजर चला। मस्जिद के आगे के हिस्से और पिलर को गिरा दिया गया। 55 फीट ऊंची मीनार भी क्रेन से खींचकर ढहाया गया। दो दिन में करीब 75 फीसदी मस्जिद ढहाई जा चुकी है। रविवार की कार्रवाई के दौरान इलाके में 5 थानों की पुलिस और पीएसी के 60 जवान तैनात रहे। शाम 7:20 बजे पर्याप्त रोशनी नहीं होने की वजह से ध्वस्तीकरण का काम रोक दिया गया। अब सोमवार को फिर से मस्जिद को ढहाने का काम होगा। इससे पहले शनिवार को मस्जिद का 50 फीसदी हिस्सा ढहाया गया था। इस बीच, गांव की मुस्लिम महिलाओं के रोने-बिलखने का वीडियो सामने आया। इसमें महिलाएं और बच्चियां फूट-फूटकर रोती दिख रहीं। तहसीलदार धीरेंद्र कुमार सिंह ने बताया- मस्जिद प्रबंधक जाकिर हुसैन पर एक लाख 12 हजार आठ सौ रुपए (1,12,800) का जुर्माना भी लगाया गया है। कब्रिस्तान की सरकारी जमीन पर मस्जिद के रूप में इन्हीं का क जा है। दरअसल, मस्जिद नखासा क्षेत्र के कसेरुआ गांव में कब्रिस्तान की जमीन पर बनी थी। तहसीलदार कोर्ट के आदेश के बाद करीब 120 वर्गमीटर सरकारी जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया जा रहा है।

रिवॉल्वर से 10 फायर किए, दरोगा को धक्का दिया

मथुरा में लाइसेंसी रिवॉल्वर लेकर भाग रहे एक दबंग और दरोगा के बीच सड़क पर करीब आधे घंटे तक हाईवोल्टेज ड्रामा चला। दरोगा ने रिवॉल्वर छीनने की कोशिश की तो आरोपी भिड़ गया। धक्का-मुक्की करने लगा। ऊंची आवाज में बात कर धमकाने लगा। छीना-झपटी करने लगा। दरोगा बार-बार कहते रहे- 'बंदूक नीचे रखो, गोली चल जाएगी।' लेकिन, आरोपी नहीं माना। काफी मशक्कत के बाद पुलिस ने उसे काबू किया। ड्रामा पर्यटकों से खचाखच भरे रहने वाले शहर के पॉश इलाके कृष्णा नगर में हुआ। सड़क पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। दोनों तरफ लंबा जाम लग गया। इससे पहले आरोपी ने भूतेश्वर अखाड़े पर अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर से ताबड़तोड़ फायरिंग की। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, आरोपी शुक्रवार रात एक सफेद रंग की स्कॉर्पियो कार से अखाड़े पहुंचा। कार से उतरते ही फायरिंग कर दी। अफरा-तफरी मच गई। लोग जान बचाने के लिए भागने लगे। आरोपी के पास से 6 खाली कारतूस के खोखे भी बरामद हुए हैं। पुलिस वीडियो और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मामले की जांच कर रही है। घटना शहर कोतवाली क्षेत्र में रात 9 बजे की है। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग और अखाड़े के पहलवान भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस को सूचना दी। इससे पहले कि पुलिस पहुंचती आरोपी अपनी कार छोड़कर भाग निकला। हाथ में पिस्टल लेकर भागते युवक को देखकर डरे-सहमे लोग जान बचाकर छिपने लगे। इस दौरान पीछा कर रही पुलिस ने करीब 1 किलोमीटर दूर उसे पकड़ा।